पाठ-योजना

विषय : संस्कृत

दिनाँक :..... **उपविषय :** व्याकरण **कालांश :.....**

कक्षा :..... **प्रकरण : "दीर्घ सन्धि"** **समय :.....**

विद्यालय का नाम :.....

उद्देश्य संकेत	व्यवहारगत अपेक्षित परिवर्तन
सामान्य उद्देश्य	1. छात्रों को संस्कृत भाषा के ध्वनि-तत्व एवं उनके उच्चारण से अवगत कराना। 2. छात्रों को संस्कृत वर्णों की उत्पत्ति एवं शब्दों के विभिन्न रूप से परिचित कराना। 3. छात्रों को संस्कृत भाषा समझने के सुयोग्य बनाना। 4. छात्रों को व्याकरण के नियमों का ज्ञान कराकर उनको प्रयोग करने की क्षमता प्रदान करना। 5. छात्रों की तर्क-शक्ति एवं रचनात्मक प्रकृति का विकास करना। 6. छात्रों को भाषा का शुद्ध रूप पहचानने में समर्थ बनाना। 7. भाषा को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने में छात्रों को प्रवीण करना। 8. छात्रों को व्याकरण का ज्ञान कराकर संस्कृत साहित्य के अध्ययन के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
विशिष्ट उद्देश्य ज्ञानात्मक	1. छात्रों को दीर्घ सन्धि का ज्ञान कराना। 2. छात्रों को दीर्ष सन्धि युक्त पदों के माधुर्य से परिचित कराना।
बोधात्मक	1. छात्रों को अपनी पठन-सामग्री में से सन्धि-युक्त पदों को पहचानने के योग्य बनाना। 2. छात्रों को पहचाने गये पद का विच्छेद करके उक्त सन्धि का नाम पहचानने के योग्य बनाना।
अनुप्रयोग	छात्रों को दीर्ष-सन्धि के सीखे गये नियमों को अन्यत्र उपयोग करने सुयोग्य बनाना।
रूचि	पद लालितय हेतु सन्धि युक्त पदों के प्रयोग के लिए छात्रों में रूचि जागृत कराना।

सहायक सामग्री	सन्धियुक्त पद वाले वाक्यों से लिखे हुए चार्ट।	
पूर्व ज्ञान	1. छात्र सन्धि के सामान्य अर्थ से परिचित हैं।	
	2. छात्रो को स्वर एवं व्यञ्जन सन्धि का ज्ञान पूर्व में काराया जा चुका है।	
प्रस्तावना प्रश्न	**छात्राध्यापक क्रिया**	**छात्र अनुक्रिया**
	प्र0.1 स्वर कौन-कौन से हैं?	अ, आ, इ, ई, ए, ऐ, ओ, औ, उ, ऊ, ऋ
	प्र0.2 ये स्वर कितने प्रकार के होते है?	तीन प्रकार
	प्र0.3 ये तीन प्रकार कौन-कौन से हैं?	1.ह्रस्व स्वर, 2.दीर्घ स्वर, 3.प्लुत स्वर
	प्र0.3 ह्रस्व स्वर के बाद दीर्घ स्वर आ जाने पर क्या बन जाता है?	समस्यात्मक प्रश्न
उद्देश्य कथन	स्वर के आगे ह्रस्व या दीर्घ स्वर आ जाने पर वह स्वर दीर्घ हो जाता है और आज की कक्षा में हम इस तथ्य का अध्ययन स्वर सन्धि के प्रथम प्रकार 'दीर्घ सन्धि' के अन्तर्गत करेंगे।	
प्रस्तुतीकरण	पठन-पाठन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका दीर्घ सन्धि को चार अवन्ति में पढ़ायेगा/पढ़ायेगी।	
<u>प्रथम अन्विति</u>		
	प्रथम अवन्ति से सम्बन्धित चार्ट को प्रदर्शित करते हुए छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका पाठ का विकास करेगा/करेगी।	
	<u>चार्ट में लिखित वाक्य</u> -	
	1. सीताः विद्यालयः गच्छति।	
	2. रामानुजः पुस्तकं पठति।	
	छात्राध्यापक क्रिया	**छात्र क्रिया**
	1.चार्ट में लिखे हुए प्रथक वाक्य को पढ़िये।	सीताः विद्यालयः गच्छति।
	2. इस वाक्य में सन्धि मुक्त शब्द कौन सा है?	विद्यालयः
	3. विद्यालयः किन दो शब्दों से मिलकर बना है?	विद्या + आलयः
	4. विद्या शब्द के अन्त में कौन सा स्वर है?	'आ'
	5. आलयः शब्द के आरम्भ में कौन सा स्वर आता है?	'आ'
	6. दोनों स्वर मिलकर क्या हो जाते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

स्पष्टीकरण	दोनों स्वर मिलकर दीर्घ हो जाते हैं इसी को दीर्घ सन्धि कहते हैं।	
	छात्राध्यापक क्रिया	**छात्र क्रिया**
	1. अब चार्ट में लिखे दूसरे वाक्य को पढ़िये	रामानुजः पुस्तकं पठति।
	2. इसमें सन्धि मुक्त शब्द कौन सा है?	रामानुजः
	3. रामानुजः किन दो शब्दों से मिलकर बना है?	राम + अनुज
	4. राम शब्द में अन्तिम स्वर कौन सा है?	'अ'
	5. अनुज शब्द में प्रथम स्वर कौन सा है?	'अ'
	6. दोनों स्वर (अ+अ) मिलकर क्या हो जाते हैं?	'आ'
स्पष्टीकरण	ठीक, जब किसी सन्धि युक्त शब्द विच्छेद करने पर प्रथम शब्द के अन्त में स्वर अ या आ आये तथा अन्तिम शब्द का प्रथम स्वर अ या आ हो तो दोनों मिलकर दीर्घ हो जाते हैं।	
	<u>द्वितीय अन्विति</u>	
	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका द्वितीय अवन्ति से सम्बन्धित निम्नलिखित वाक्यों से लिखा हुआ चार्ट कक्षा में प्रदर्शित करेगा/करेगी	
	1. रवीन्द्रः भोजनं गच्छति।	
	2. नदीशः हाटम् गच्छति।	
	छात्राध्यापक क्रिया	**छात्र क्रिया**
	प्र0.1.चार्ट में लिखे प्रथम वाक्य को पढ़िये।	रवीन्द्रः भोजनं खादति।
	प्र0.2.इस वाक्य में सन्धि युक्त शब्द कौन सा है?	रवीन्द्रः
	प्र0.3.रवीन्द्रः किन दो शब्दों से मिलकर बना है?	रवि + इन्द्र
	प्र0.4.'रवि' का अन्तिम स्वर कौन सा है?	'इ'
	प्र0.5.'इन्द्र' शब्द का प्रथम स्वर कौन सा है?	'इ'
	प्र0.6.दोनों स्वर (इ+इ) मिलकर क्या बन जाते हैं?	ई
	प्र0.7. अब चार्ट में लिये दूसरे वाक्य को पढ़िये।	नदीशः हाटम् गच्छति।

	प्र0.8. इस वाक्य का सन्धि युक्त शब्द कौन सा है?	'नदीशः'
	प्र0.9. नदीशः किन दो शब्दों से मिलकर बना है?	'नदी + ईश'
	प्र0.10. प्रथम शब्द का अन्तिम स्वर कौन सा है?	'ई'
	प्र0.11. दूसरे शब्द का प्रथम स्वर कौन सा है?	'ई
	प्र0.12. ये दोनों स्वर (ई+ई) मिलकर क्या बन जाते हैं?	ई
स्पष्टीकरण :	सन्धियुक्त शब्दों का विच्छेदन करने पर यदि दोनों शब्दों के प्रारम्भ एवं अन्त में इ एवं ई आता है तो दीर्घ ई हो जाता है।	
	<u>तृतीय अन्विति</u>	
	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका तृतीय अन्विति से सम्बन्धित निम्न लिखित वाक्यों सें लिखा हुआ चार्ट कक्षा में प्रदर्शित करेगा/करेगी – 1. भानूदयः मोदकः खादति। 2. संध्याकाले वधूत्सवः भवति।	
	प्र0.1.चार्ट पर प्रथम वाक्य क्या लिखा है?	भानूदयः मोदकः खादति।
	प्र0.2.इस वाक्य में सन्धियुक्त शब्द कौन सा है?	भानूदयः
	प्र0.3.भानूदयः किन दो शब्दों से मिलकर बना है?	भानु + उदय
	प्र0.4.भानु शब्द का अन्तिम वर्ण (स्वर) कौन सा है?	' उ '
	प्र0.5.'उदय' का प्रथम स्वर कौन सा है?	' उ '
	प्र0.6.दोनों स्वर (उ+उ) मिलकर क्या बन जाते हैं?	' ऊ '
	प्र0.7.ठीक इसी प्रकार चार्ट पर दूसरा वाक्य क्या लिखा है?	सन्ध्याकाले वधूत्सवः भवति।
	प्र0.8.अब इस वाक्य में सन्धि युक्त शब्द कौन सा है?	' वधूत्सवः '
	प्र0.9.'वधूत्सवः' शब्द किन दो शब्दों से मिलकर बना है?	वधू + उत्सवः
	प्र0.10.'वधू' शब्द का अन्तिम स्वर कौन सा है?	' ऊ '
	प्र0.11.'उत्सवः' शब्द का प्रथम स्वर कौन सा है?	' उ '
	प्र0.12.ऊ+उ मिलकर क्या बन जायेंगे?	दीर्घ ' ऊ '
स्पष्टीकरण :	जब किसी सन्धियुक्त शब्द का विच्छेदन करने पर दोनों शब्दों के अन्तिम एवं प्रथम वर्ण (स्वर) उ या ऊ आ जाता है तो दीर्घ ऊ हो जाता है।	

	चतुर्थ अवन्ति	
	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका चतुर्थ अवन्ति से सम्बन्धित निम्नलिखित वाक्य को चार्ट द्वारा प्रदर्शित करेगा/करेगी।	
	पितृऋणः महानः ऋणः भवति।	
	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया
	प्र0.1.चार्ट पर लिखा हुआ वाक्य पढ़िये।	'पितृऋण महानः ऋणः भवति।
	प्र0.2.इस वाक्य का सन्धियुक्त शब्द कौन सा है?	पितृऋण
	प्र0.3.'पितृऋण' किन दो शब्दों से मिलकर बना है?	'पितृ + ऋण'
	प्र0.4.'पित्' शब्द का अन्तिम स्वर क्या है?	' ऋ '
	प्र0.5. ऋण शब्द का प्रथम स्वर क्या है?	' ऋ '
	प्र0.6. दोनों 'ऋ + ऋ' मिलकर क्या बन जाते हैं?	दीर्घ ऋ
स्पष्टीकरण :	ठीक, जब किसी सन्धियुक्त शब्द का विच्छेद किया जाता है तो दोनों शब्दों के अन्तिम स्वर यदि ऋ हैं तो ये दोनों मिलकर दीर्घ हो जाते हैं।	
नियमीकरण	छात्र उपर्युक्त ढंग से वर्गीकरण के उपरान्त निम्न प्रकार नियम निकालने का प्रयास करेंगे, इस प्रक्रिया में छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका उनकी सहायता करेगा/करेगी। ''ह्रस्व या दीर्घ स्वर (अ, इ, उ, ऋ) के बाद इन्हीं के समान वर्ण (स्वर) आते है तो मिलकर दीर्घ हो जाते हैं।'' इसे निम्न सूत्र द्वारा प्रदर्शित भी किया जा सकता है - ''अंकः सवर्णे दीर्घः'' छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका छात्रों द्वारा निकाले नियम को श्यामपट पर लिखेगा/लिखेगी।	
लेखन एवं निरीक्षण कार्य	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका श्यामपट् पर अंकित कार्य छात्रों को अपनी-अपनी उत्तर पुस्तिकाओं पर लिखने का आदेश देगा/देगी तथा स्वयं घूम-घूम कर कक्षा का निरीक्षण करेगा/करेगी।	
गृहकार्य	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका लपेट श्यामपट पर निम्नलिखित शब्दों का सन्धि विच्छेद करके लाने का आदेश देगा/देगी, साथ ही दीर्घ सन्धि का नियम भी कंठस्थ करने को कहेगा/कहेगी - 1. सचिवालयः 2. विद्यार्थीः 3. कपीन्द्रः 4. साधूपदेशः 5. मातृऋण	